2-11-18 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थीगण उपस्थित। वकील प्रार्थीगण
ने प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर बहस करनी चाही। वकील प्रार्थीगण की बहस
सुनी गयी। बहस के दौरान वकील प्रार्थीगण ने कथन किया कि न्याय... नि० हिरा
दाता में विवादित खसरा नं 2061/2 रकबा। बीघा में हम प्रार्थीगण
का जो हक हिस्सा निहित था। तथा विवाद पक्षकारान के मध्य ... चल रहा
था। उक्त विवाद को समाज के मौजिज़ान व्यक्तियों द्वारा आपसी
सुलह से निस्तारित करवा दिया है. तथा अब प्रार्थीगण को विपक्षीगण
से प्रतिकूल कोई शिकायत नहीं है. इस कारण वर्तमान में प्रार्थीगण का
कोई विवाद उक्त खसरे के बाबत विपक्षीगण से शेष नहीं रहा है. अ० नि० गोपाल
व प्रकरण को आगे नहीं चलाना चाहते हैं. व
उक्त परिस्थितियों में हम प्रार्थीगण प्रकरण को
लोक अदालत की भावना के अनुसार
प्रकरण को विड्रा करना चाहते हैं. अतः
के मध्य आपसी राजीनामा हो जाने से प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र इसी स्टेज
नि० लक्ष्मी
पर समाप्त करवाया जाकर स्थायी निषेधाज्ञा उपरान्त करवाये जावें।
मैंने पत्रावली का अवलोकन किया. तथा प्रार्थीगण की बहस पर मनन
किया गया। न्याय हित में वकील प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना
नि० विनोद को स्वीकार किया जाकर प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र आपसी राजीनामा
तथा कोई कार्यवाही नहीं चाहने के इसी स्टेज पर खारिज किया
जाता है। पत्रावली मैं काम हुमार की जाकर बाद के काम दाखिल
किया जावे।

उपखण्ड अधिकारी
भीलवाड़ा

P.Reader